The proposals for amendment are to be circulated soon for eliciting the comments of the interests concerned.

Subsidy to Coal Producers

2036. Shri Parashar: Will the Minister of **Steel, Mines and Heavy Engineering** be pleased to state:

(a) the subsidy granted to producers of coal who are handicapped on account of adverse mining conditions during the last 3 years; and

(b) the grades of coal for which the subsidy is granted?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering. (Shri P. C. Sethi): (a): 1960-61—Nil

1961-62—Rs. 59,81,951.

1962-63—Rs. 1,31,60,961.

(b). The subsidy is admissible for coking coals of Grades A to H and non-coking coals of selected grades and Grade I. Exceptions have only been made in respect of the following:

(i) Assistance for high transportation cost from the pithead to the rail head, for which all grades of coals are eligible;

(ii) Thin seams producing non-coking coals of Grades II and III in Madhya Pradesh which are also entitled to such assistance.

राजस्थान में कच्चे लोहे का उत्पादन

२०३७. श्री श्रोंकार लाल बेरवा :
श्री श्रोंकार सिंह :

क्या इस्पात, खान श्रौर भारी इंजीनियरिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में कच्चे लोहे के उत्पादन का कारखाना लगाने के लिये मैसर्स कमानी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटड ने सरकार से इजाजत मांगी है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इजाजत दे दी है; श्रौर

(ग) यह कारखाना राजस्थान में किस जगह लगाया जायेगा ?

इस्पात, खान तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में उपमंत्री (श्री प्र० चं० सेठी) : (क) से (ग) तक. मैसर्स कमानी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटड, बम्बई, को राजस्थान में उदयपुर के स्थान पर १००,००० टन कच्चे लोहे के उत्पादनार्थ एक श्रौद्योगिक कारखाना स्थापित करने के लिए श्रौद्योगिक लाइसेंस दिया गया है ।

Alloy Steel Factory at Kanpur

2038. Shri D. D. Mantri: Will the **Minister of Steel, Mines and Heavy Engineering** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 803 on the 29th November, 1963 and state the names of firms or persons to whom licences for setting up plants for the production of alloy and special steel at Kanpur have been given?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri P. C. Sethi): The names of the firms are:

(1) M/s. Gankadhar Baijnath; and

(2) M/s. S. P. Iron and Steel Co.

हिन्दी में प्रकाशन

२०३९. श्री कछवाय : क्या विधि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनका मंत्रालय गजट भाग १ में प्रकाशित किये जाने के लिये जो सामग्री भेजता है, क्या वह गृह-कार्य मंत्रालय के निदेश के श्रनुसार हिन्दी में भी भेजी जाती है; श्रौर

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?